जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के प्रभावी समाधान के साथ ही बकाया वसूली पर प्रभावी कार्यवाही करें

–सुधांश पंत

जयपुर, 15 फरवरी। विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष श्री सुधांश पंत ने आज शासन सचिवालय में वीडियों कान्फ्रेंसिग के माध्यम से तीनों विद्युत वितरण निगमों के सभी 34 वृतों के अधिकारियों से विद्युत निगमों की विभिन्न योजनाओं सहित विद्युत छीजत एवं राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समन्वित प्रयास से चालू वित्तीय वर्ष के निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के साथ ही बकाया राशि की वसूली पर विशेष ध्यान दें।

श्री सुधांश पंत ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत आवश्यक है कि सभी कार्यों में पारदर्शिता रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से निर्धारित समय में कार्यों को पूरा करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से करें। उन्होनें बकाया वसूली पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि स्थाई रुप से विद्युत सम्बन्ध विच्छेद के प्रकरणों में ईयूडीआर एवं भू–राजस्व अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाये।

उन्होनें अधिकारियों को कहा कि सतर्कता जांच अभियान निरन्तर चलते रहने चाहिए, ताकि बिजली छीजत में प्रभावी कमी लाई जा सके। उन्होनें सतर्कता जांच गतिविधियों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बिजली चोरी के प्रकरणों में अन्तर उपखण्ड, खण्ड एवं वृत स्तर पर प्रभावी तरीके से कार्यवाही करें। उन्होने कहा कि सतर्कता अभियान के तहत विद्युत चोरी बाहुल्य क्षेत्रों में निरन्तर कार्यवाही जारी रहे ताकि बिजली चोरी पर अंकुश लगाया जा सके।

श्री पंत ने वर्तमान समय में बिजली की बेहतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए किये गये प्रयासों पर ओर अधिक सजगता लाने के लिए निर्देशित किया। रबी की फसल के लिए निर्धारित 6 घंटे के ब्लॉक के अनुसार विद्युत आपूर्ति करना सुनिश्चित करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू उपयोग हेतु प्रातः एवं रात्री के समय निर्धारित विद्युत की आपूर्ति बनाए रखने के लिए नियमित रुप से निगरानी रखने के भी निर्देश दिये। उन्होने कहा कि अधीक्षण अभियन्ता एवं अधिनस्थ अधिकारी नियमित रुप से अपने क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की मौके पर भी जाकर जानकारी लें एवं जंहा भी अनियमितता पाई जावे उन्हे शीघ्र दूर करें व सम्बन्धित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करें।

उन्होने विभिन्न वृतों के अधिकारियों से लम्बित कनेक्शनों को जारी किए जाने हेतु 16 जनवरी से प्रारम्भ हुए अभियान की प्रगति की समीक्षा की तथा लम्बित कनेक्शनों को शीघ्र जारी करने के निर्देश भी दिए। अधीक्षण अभियन्ता से सहायक अभियन्ता स्तर तक के अधिकारियों की कार्यकुशलता को ''कार्य प्रदर्शन सूचकांक ''केपीआई'' द्वारा आंकलन करने हेतु निर्देशित किया ताकि विभिन्न अधिकारियों के कार्य संपादन में स्वस्थ स्पर्धा द्वारा प्रेरणात्मक प्रगति हो सके एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जावेगा।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 272/2012